कार्यालय–उपनिदेशक, गोविन्द वन्य जीव विहार/राष्ट्रीय पार्क, पुरोला।

पुरोला, दूरभाष एवं फैक्स नं0- 01373-223433, Email- gwlspurola@gmail.com

पत्रांक 1075 / 12-1 पुरोला दिनांक 03/02/ 2021

सेवा में,

निदेशक/वन संरक्षक,
राजाजी टाईगर रिजर्व,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

विषयः– **जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सुपिन नदी पर प्रस्तावित 44 मेगावाट की क्षमता की जखोल–सांकरी जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु 24.317 है0 वन भूमि के सम्बन्ध में । (FP/UK/HYD/22889/2016)**

सन्दर्भः– भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून के पत्रांक–8बीं/यू.सी.पी./01/146/2018/एफ.सी./1855 दिनांक–27.11.2020 के क्रम में इस कार्यालय का पत्रांक–855/12–1 दिनांक–07.01.2021 एवं अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, वन संरक्षण, इन्दिरा नगर फॉरेस्ट कालोनी, उत्तराखण्ड, देहरादून के कार्यालय द्वारा लगाई गयी आनलाईन आपत्ति–(FP/UK/HYD/22889/2016) दिनांक–22.01.2021।

महोदय,

अवगत कराना है कि जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सुपिन नदी 44 मेगावाट की क्षमता की जखोल–सांकरी जल विद्युत परियोजना के निर्माण 44.317 हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्तावित है। भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून के पत्रांक–8बीं/यू.सी.पी./01/146/2018/एफ.सी./1855 दिनांक–27.11.2020 आपत्ति दर्ज की गई थी, जिसका निराकरण इस कार्यालय के सन्दर्भित पत्र–855/12–1 दिनाक–07.01.2021 द्वारा किया गया है। **संलग्नक–01।**

महोदय बिन्दु सं0–1 टौंस वन प्रभाग से सम्बन्धित है। क्षतिपूरक वनीकरण क्षेत्र का चयन टौंस वन प्रभाग, पुरोला के अन्तर्गत किया गया है। क्षतिपूरक वनीकरण हेतु चयनित क्षेत्र का निरीक्षण उप वन संरक्षक, टौंस वन प्रभाग, पुरोला द्वारा ही दिया जायेगा। इस कार्यालय से सम्बन्धित नही है।

महोदय आपके संज्ञान में लाना है कि जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सुपिन नदी पर प्रस्तावित 44 मेगावाट की क्षमता की जखोल–सांकरी जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु 24.317 है0 का निर्माण गोविन्द वन्य जीव विहार एवं गोविन्द राष्ट्रीय पार्क की सीमा पर प्रस्तावित है, परियोजना प्रस्ताव में वन्य जीव पर इसका क्या प्रभाव पडेगा इस सम्बन्ध में भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून की कोई रिर्पोट नही है। चूकि यह क्षेत्र उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित है, जहां वन्य प्राणियों के प्राकृतवास है, क्षेत्र अति दुर्गम, अति संवेदनशील क्षेत्र है साथ ही शीतकालीन ऋतु में बर्फबारी के दौरान वन्य प्राणी उच्च हिमालयी क्षेत्रों से निचले क्षेत्रों में आते है। इस प्रकार वन्य प्राणी इस क्षेत्र को कोरिडोर के रूप में प्रयोग करते है, इसलिए इस क्षेत्र में भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून से अध्ययन रिर्पोट अति आवश्यक है। गोविन्द राष्ट्रीय पार्क के गठन का मुख्य उद्देश्य उच्च हिमालयी संकटापन्न प्रजाति जैसे हिम तेन्दुआ, मस्क डियर तथा भरड आदि को संरक्षण हेतु किया गया है, इस परियोजना से इन वन्य प्राणियों पर क्या प्रभाव पडेगा इस पर भी अध्ययन रिर्पोट प्राप्त कर ली जाय।

संलग्न–उपरोक्तानुसार।

भवदीय

3/2/2021

(कोमल सिंह)
उप निदेशक
गोविन्द वन्य जीव विहार/रा०पा०
पुरोला, उत्तरकाशी।

पत्रांक / समदिनांकित।

प्रतिलिपि–मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड, देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(कोमल सिंह)
उप निदेशक
गोविन्द वन्य जीव विहार/रा०पा०
पुरोला, उत्तरकाशी।

Scanned with CamScanner

कार्यालय–उपनिदेशक, गोविन्द वन्य जीव विहार/राष्ट्रीय पार्क, पुरोला।

पुरोला, दूरभाष एवं फैक्स नं0.01373-223433,Email- gwlspurola@gmail.com

पत्रांक 855 / 12-1 पुरोला: दिनांक 07/01 2021

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी,
वन संरक्षण, इन्दिरा नगर फॉरेस्ट कालोनी,
उत्तराखण्ड, देहरादून

विषय – **जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सुपिन नदी पर प्रस्तावित (44 मे0वा0) क्षमता की जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु 24.317 हे0 वन भूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु एसजेवीएन लिमिडेट को 30 वर्षो की लीज पर दिये जाने के सम्बन्ध में।**

सन्दर्भ– **भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून के पत्रांक 8वीं/यू.सी.पी. /01/146/2018/एफ.सी/1855 दिनांक 27.11.2020।**

महोदय,

उपरोक्त विषय पर सन्दर्भित पत्र के माध्यम से भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून द्वारा चाही गयी सूचना का बिन्दुवार स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है–

1. बिन्दु संख्या 1– इस कार्यालय से सम्बन्धित नही है।
2. **a.** पूर्व में 1530 वृक्षों की सूची अपलोड की गयी थी, यह सत्य एवं सही है।
   b. जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना के निर्माण हेतु हस्तान्तरित होने वाली **22.067** है0 सिविल सोयम भूमि में प्रभावित वृक्षों की संख्या 1530 है जो त्रुटिवश अपलोड सूची में 1498 की गई थी, उसे संशोधित कर दिया गया है।
   c. गोविन्द ~~वन्य जीव~~ विहार से परियोजना के निर्माण हेतु **22.067** है0 भूमि प्रभावित नही हो रही है बल्कि गोविन्द वन्य जीव विहार क्षेत्र के अन्तर्गत परियोजना के निर्माण हेतु **22.067** सिविल वन भूमि प्रभावित हो रही है।
3. प्रस्तावित परियोजना का सम्पूर्ण क्षेत्र वन्य जीव विहार के अन्तर्गत सिविल वन भूमि में आता है, वन्य जीव विहार एवं राष्ट्रीय पार्क का क्षेत्र दुर्गम, अति दुर्गम है, जिसके अन्तर्गत उच्च हिमालयी क्षेत्र के वन्य प्राणी सर्दी की ऋतु मे हिमपात के दौरान उच्च हिमालय क्षेत्र से नीचे की ओर आते है, उस समय यह क्षेत्र वन्य प्राणी कोरिडोर के रुप में प्रयोग करते है,। इस सम्बन्ध में उचित होगा कि भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून से भी एक रिर्पोट प्राप्त कर ली जाय।

संलग्न–यथोपरि।

भवदीय

(कोमल सिंह) 7/1/2021
उप निदेशक,
गोविन्द वन्य जीव विहार एवं रा0पा0,
पुरोला, उत्तरकाशी।

पत्रांक / समदिनांकित

1. निदेशक/वन संरक्षक, राजाजी टाईगर रिजर्व देहरादून को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. अपर महाप्रबन्धक (परि0प्र0), जखोल सांकरी जल विद्युत परियोजना, मोरी, उत्तरकाशी को सादर सूचनार्थ हेतु।

संलग्न–यथोपरि।

(कोमल सिंह) 7/1/2021
उप निदेशक
गोविन्द वन्य जीव विहार एवं रा0पा0,
पुरोला, उत्तरकाशी।

O/C

Scanned with CamScanner